SA-04

December - Examination 2025
B.A. (Part-II) Examination
SANSKRIT
गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध
Paper : SA-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) शिवराजविजयम् में कुल निःश्वासों की संख्या क्या है तथा इसके नायक कौन हैं?
   (ii) शिवराजविजयम् के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।
   (iii) बाणभट्ट की कादम्बरी किस प्रकार की गद्य रचना है, इसमें कौनसी गद्य शैली है?
   (iv) युवावस्था में प्रायः क्या कालुष्य को प्राप्त हो जाती है और कौन रागयुक्त हो जाती हैं?
   (v) 'अधिहरि' पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।
   (vi) 'घन इव श्यामः' का समस्त पद लिखकर समास नाम बताते हुए सूत्रोल्लेख करें।
   (vii) शुकनासोपदेश में किसने किसको उपदेश दिया है? कोई दो प्रमुख उपदेश के तथ्य लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

   (अ) अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः। कष्ट–मनञ्जनवर्तिसाध्यमपरमैश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रगम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचबध्यो रागमलावलेपः। अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपात–निद्रा भवतीति, विस्तरेणामिधीयसे। गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा।

   अथवा

   (ब) भगवन्! श्रूयताम् यदि कुतूहलम्। ह्यः सम्पादितसायन्तनकृत्ये अत्रैव कुशास्तरणमधितिष्ठते मयि, परितः समासीनेषु छात्रवर्गेषु, धीर समीरस्पर्शेन मन्दमन्दमान्दोल्यमानासु व्रततिषु, समुदिते यामिनी कामिनी चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, कौमुदीकपटेन सुधाधारामिव वर्षति गगने, अस्मन्नीतिवार्तां शुश्रूषुषु इव मौनमाकलयत्सु पतंगकुलेषु, कैरव विकाश हर्ष–प्रकाशमुखरेषु चञ्चरीकेषु, अस्पष्टाक्षरम्, कम्पमान–निःश्वासम्, श्लयत्कण्ठम्, घर्घरित स्वनम्, चीत्कार–मात्रम्, दीनतामयम्, अत्यवधानश्रव्यत्वादनुमितदविष्ठतम् क्रन्दनमश्रौषम्।

3. निम्नलिखित में से किसी एक गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) सरस्वतीपरिगृहीतमीर्ष्ययैव नालिङ्गति जनं। गुणवन्तमपवित्रमिव न स्पृशति, उदारसत्त्वममङ्गलमिव न बहु मन्यते, सुजनमनिमित्तमिव न पश्यति, अभिजातमहिमिव लङ्घयति, शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति, विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति, मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति। परस्पर–विरुद्धञ्चेन्द्रजालमिव दर्शयन्ती प्रकटयति जगति निजचरितम्। तथाहि, सततम् ऊष्माणमुपजनयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति। उन्नतिमादधानापि नीचस्वभावतामाविष्करोति। तोयराशिसंभवापि तृष्णां संवर्धयति।

अथवा

(ब) मा भैषीः, पुत्रि! त्वां मातु, समीपे प्रापयिष्यामः, दुहितः! खेदं मा वह, भगवति! भुङ्क्ष्व किञ्चित्, पिब पयः, एते तव भ्रातरः यत् कथयिष्यसि तदेव करिष्यामः मा स्म रोदनैः प्राणान् संशयपदवीमारोपयः, मा स्म कोमलमिदं शरीरं शोकज्वालावलीढं कार्षीः, ''इति सहस्रधा बोधनेन कथमपि सम्बुद्धा किञ्चिद् दुग्धं पीतवती। ततश्च मया क्रोडे उपवेश्य, ''बालिके! कथय क्व ते पितरौ? कथमेतस्मिन्नाश्रमप्रान्ते समायाता? किं ते कष्टम्? कथमरोदीः? किं वाञ्छसि? कि कुर्मः? इति पृष्टा।

4. 'शिवराजविजयम्' के आधार पर उदय होते सूर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
5. शुकनासोपदेश के आधार पर युवावस्था के दोषों का वर्णन करते हुए गुरूपदेश का महत्त्व बताइए।
6. समास को परिभाषित करते हुए समास के भेद लिखिए तथा बहुब्रीहि समास का सूत्रोदाहरणपूर्वक उल्लेख कीजिए।
7. 'कादम्बरीरसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' उक्ति को स्पष्ट कीजिए।
8. निम्नलिखित सूत्रों (किन्हीं दो) की व्याख्या कीजिए –
   (i) कर्तृ करणे कृता बहुलम्
   (ii) षष्ठी
   (iii) सप्तमी शौण्डैः
   (iv) चार्थे द्वन्द्वः
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए –
   (i) सुभद्रम्
   (ii) यूपदारू
   (iii) पञ्चगवम्
   (iv) ईशकृष्णौ

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. 'गद्य कवीनां निकषं वदन्ति' इस सूक्ति की विशद व्याख्या कादम्बरी के संदर्भ में कीजिए।
11. शुकनासोपदेश के आधार पर राजलक्ष्मी की प्रकृति का वर्णन कीजिए।
12. शिवराजविजय के आधार तत्कालीन भारतीय समाज की स्थिति का वर्णन कीजिए।
13. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए –
   (i) गीतायाः महत्त्वम्
   (ii) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्
   (iii) विकसितभारतनिर्माणे नागरिक योगदानम्
   (iv) भारतीय संस्कृतिः पर्यावरणं च